RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 143
दि. 22.09.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी का बड़ा ऐलान - 22 सितंबर से शुरू होगा ' जीएसटी बचत उत्सव', संबोधन की महत्वपूर्ण बातें

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम देश को संबोधित करते हुए एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर की सुबह से ही देश में 'GST बचत उत्सव' शुरू हो जाएगा। इस ऐतिहासिक बदलाव का सीधा असर हर वर्ग के लोगों की जेब पर पड़ेगा। पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत नवरात्रि की बधाई देकर की और इसे देश की आर्थिक मजबूती की दिशा में अहम कदम बताया।

'बचत उत्सव' से हर परिवार को राहत

पीएम मोदी ने कहा कि इस बचत उत्सव का लाभ गरीब, मध्यमवर्गीय, न्यू मिडिल क्लास, किसान, महिलाएं और व्यापारी सभी को मिलेगा। त्योहारों के इस मौसम में लोग अपनी पसंद का सामान सस्ती कीमतों पर खरीद पाएंगे। मोदी ने कहा, "हर घर में खुशहाली होगी, हर परिवार का मुंह मीठा होगा। यह सुधार भारत की ग्रोथ स्टोरी को नई गति देगा।"

निवेश और कारोबार पर सकारात्मक असर

प्रधानमंत्री ने बताया कि नए GST ढांचे से कारोबार करना आसान होगा। देशी-विदेशी निवेशकों को भारत और ज्यादा आकर्षक बाजार लगेगा। उन्होंने जोर दिया कि इस सुधार से हर राज्य को बराबरी का मौका मिलेगा और विकास की रफ्तार तेज होगी।

◆ 1. पीएम मोदी ने कहा, "जो देश के लोगों की जरुरत का है, जो हम देश में ही बना सकते हैं। वो हमें देश में ही बनाना चाहिए।"

◆ 2. पीएम मोदी ने कहा, "हम वो सामान खरीदें जो MADE IN INDIA हो, जिसमें हमारे देश के नौजवानों की मेहनत लगी हो, हमारे देश के बेटे-बेटियों का पसीना हो। हमें हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना है। हर दुकान को स्वदेशी से सजाना है।"

◆ 3.पीएम मोदी ने कहा, "जो देश के लोगों की जरुरत का है, जो हम देश में ही बना सकते हैं, वो हमें देश में ही बनाना चाहिए। देश की स्वतंत्रता को जैसे स्वदेशी के मंत्र से ताकत मिली... वैसे ही देश की समृद्धि को भी स्वदेशी के मंत्र से ही शक्ति मिलेगी।"

◆ 4. पीएम मोदी ने कहा, "GST कम होने से अब देश के नागरिकों के लिए अपने सपने पूरे करना और आसान होगा। इस जीएसटी रिफॉर्म में 'नागरिक देवो भवः की साफ झलक दिखाई देती है।"

◆ 5. पीएम मोदी ने कहा, "जब आपने हमें 2014 में सेवा का अवसर दिया तो हमने जनहित में, देशहित में जीएसटी को अपनी प्राथमिकता बनाया। हमने हर स्टेक होल्डर से चर्चा की, हमने हर राज्यों की हर शंका का निवारण किया।

हर सवाल का समाधान खोजा। सभी राज्यों को, सबको साथ लेकर आजाद भारत का इतना बड़ा टैक्स रिफॉर्म्स संभव हो पाया।

अब तक 3 लाख जनता ने दिये अपने सुझाव, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में सुधार पर मुख्यमंत्री का जोर

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन 2047 के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान के तहत जनता से फीडबैक लेने की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश के 75 जनपदों में नोडल अधिकारीगण और प्रबुद्धजन, आम जनता, छात्रों, शिक्षकों, व्यवसायियों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों, श्रमिक संघों और मीडिया के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा और भविष्य के रोड मैप पर चर्चा कर रहे हैं।

फीडबैक देने में शहर वालों से आगे निकले ग्रामीण

अभियान के तहत रविवार तक विकसित पोर्टल samarth uttar pradesh. up.gov.in पर कुल 3 लाख फीडबैक प्राप्त हुए। इनमें से 2.40 हजार ग्रामीण और 60 हजार से अधिक नगरीय क्षेत्रों से आए हैं। आयु वर्ग के अनुसार 1.12 लाख से अधिक सुझाव 31 वर्ष से कम, 1.66 लाख सुझाव 31-60 वर्ष और बाकी सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों से प्राप्त हुए हैं।

इन सेक्टर्स में मिल रहे सर्वाधिक सुझाव

फीडबैक के क्षेत्रवार वितरण में शिक्षा (1.10 लाख), नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र (52 हजार से अधिक), स्वास्थ्य (23 हजार से अधिक), समाज कल्याण (25 हजार से अधिक), कृषि (51 हजार से अधिक) और आईटी एवं टेक्नोलॉजी (6 हजार से अधिक) शामिल हैं। प्रमुख जनपदों जैसे आगरा, फिरोजाबाद, बस्ती, जौनपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, गोरखपुर, सहारनपुर, शामली, एटा, मेरठ, फरुर्खाबाद, मैनपुरी, ललितपुर, महाराजगंज, प्रयागराज आदि से 1.11 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं।

ये हैं प्रमुख सुझाव

- प्रयागराज की सुकृति पाण्डेय ने शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल साधन, कौशल आधारित प्रशिक्षण, शिक्षक प्रोत्साहन, उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई।

- देवरिया के प्रवीण ने शिक्षा, पुलिस और राजस्व विभाग में सुधार, भ्रष्टाचार समाप्त करने और नागरिकों के प्रति सरकारी व्यवहार सुधारने की सिफारिश की।

- महोबा के शशिकांत सोनी ने ब्लॉक स्तर पर निरीक्षण दल गठित कर ईमानदारी बढ़ाने और भ्रष्टाचार घटाने का सुझाव दिया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का रायसेन दौरा, वन नेशन-वन इलेक्शन और स्वदेशी सम्मेलन में की सहभागिता

(जीएनएस)।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज अपने संसदीय क्षेत्र रायसेन का दौरा किया। श्री शिवराज सिंह ने यहां अनेक कार्यक्रमों में शिरकत की। सबसे पहले उन्होंने रायसेन की अवंतिका कॉलोनी में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया और सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 75 पौधे लगाए। वहीं केन्द्रीय कृषि मंत्री ने साँची में नमो वाटिका का उद्घाटन किया और रक्तदान स्वास्थ्य शिविर में भी शामिल हुए। इसके अलावा श्री शिवराज सिंह ने जीएसटी सुधारों पर ट्रेक्टर छूट व कृषि उपकरणों के संबंध में व्यापारियों से चर्चा की और एक राष्ट्र एक चुनाव कार्यक्रम व स्वदेशी सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान श्री चौहान ने जनसमूह को स्वच्छता, एक राष्ट्र एक चुनाव और स्वदेशी वस्तुएं

खरीदने का संकल्प भी दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत आज एक वैभवशाली, गौरवशाली, सम्पन्न, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नए जीएसटी सुधारों पर व्यापारियों से विस्तार से चर्चा की। इस दौरान केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि, 22 सितंबर नवरात्रि के पहले दिन से जीएसटी की दरें कम हो रही है, जिसमें ट्रैक्टर और कृषि उपकरणों पर जीएसटी 18% से 5% कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इस कदम से अलग-अलग श्रेणी के ट्रैक्टरों की कीमत में 23 हजार रुपये से लेकर 63 हजार रुपये तक की भारी कमी होगी। उन्होंने कहा कि, केंद्र सरकार ने किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है, जिसके लिए उत्पादकता बढ़ाने और लागत कम करने, दोनों की आवश्यकता है और दोनों लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मशीनीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनें किसानों के लिए उत्पादन बढ़ाने और खेती की लागत घटाने में बेहद जरूरी हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर भावपूर्ण विदाई दी गई

राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने दी भावभीनी विदाई

गांधीनगर, 20 सितंबर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को गुजरात का अपना एक दिवसीय दौरा समाप्त कर दिल्ली के लिए रवाना हो गए। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भावपूर्ण विदाई दी।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, प्रोटोकॉल मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन, राज्य के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की अपर मुख्य सचिव श्रीमती सुनयना तोमर, अहमदाबाद पुलिस आयुक्त श्री जी.एस. मलिक और चीफ प्रोटोकॉल अधिकारी श्री ज्वलंत त्रिवेदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी प्रधानमंत्री को भावभीनी विदाई दी।

अभिषेक शर्मा ने तोड़ा गुरु युवराज सिंह का रिकॉर्ड, पाकिस्तान को रौंद भारत ने बनाया अनोखा कीर्तिमान

एशिया कप के सुपर 4 मैच में भारतीय टीम ने पाकिस्तान धमाल मचा दिया। पाकिस्तान से मिले 172 रनों का लक्ष्य भारतीय टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। टीम

इंडिया के लिए अभिषेक शर्मा ने तूफानी अर्धशतक जमाया। गिल ने भी अच्छी बैटिंग की। अभिषेक शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी तीसरी फिफ्टी जमाई। भारत ने कुछ रिकॉर्ड इस मैच में बनाए, उनमें अभिषेक ऐसा कीर्तिमान हासिल किया, जो युवराज सिंह के नाम था।

पोषण माह के विषय 'मैन-स्ट्रीमिंग' को मिजोरम की आईसीडीएस परियोजनाओं में बढ़ावा

मिजोरम में, बिलखौथ्लिर और थिंगसुलथलिया आईसीडीएस परियोजनाओं में शिशु और छोटे बच्चों की आहार संबंधी (आईवाईसीएफ) गतिविधियों में पुरुषों को शामिल करके मैन-स्ट्रीमिंग विषय को आगे बढ़ाया गया है। इन पहलों का उद्देश्य मिल-जुलकर पालन-पोषण की जिम्मेदारियों को बढ़ावा देना और समावेशी पारिवारिक एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से पोषण के परिणामों में सुधार करना है। ये परियोजनाएं आईवाईसीएफ कार्यक्रमों में पुरुषों को शामिल करके पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं को चुनौती देने में मदद कर रही हैं और साथ ही क्षेत्र में बाल पोषण एवं देखभाल की रणनीतियों की समग्र प्रभावशीलता को भी मजबूत कर रही हैं।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' युवा शिखर सम्मेलन देश भर में 2000 से अधिक स्थानों पर आयोजित किए गए

(जीएनएस)।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा मना रहा है जिसका समापन गांधी जयंती पर होगा। इस वर्ष जुलाई माह में वाराणसी में आयोजित युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन की प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए, वर्तमान सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 21 सितंबर 2025 को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के लिए युवाओं के लिए शिखर सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं।

2000 से अधिक स्थानों पर युवा सम्मेलन और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें हजारों युवा सामूहिक रूप से नशा मुक्त और स्वदेशी भारत शपथ ले रहे हैं। यह अभियान अपने आप में इसलिए विशेष है कि युवा कार्यक्रम मंत्रालय और "माई भारत" इसमें सूत्रधार की भूमिका निभा रहे हैं। आध्यात्मिक संगठन अपने नेटवर्क, संस्थानों और स्वयंसेवकों के माध्यम से स्वतंत्र रूप से आयोजित कर रहे हैं। ये कार्यक्रम देश के आध्यात्मिक नेतृत्व और युवाओं के बीच ऐतिहासिक सहयोग के प्रतीक हैं। यह एक स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर विकसित भारत के निर्माण के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को और पुष्ट करता है।

इस अभियान का नेतृत्व देश के सबसे प्रतिष्ठित आध्यात्मिक संगठन कर रहे हैं जो इस साझा राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए एक साथ आए हैं। 1700 से अधिक स्थानों पर 20 प्रमुख संगठन और 270 से अधिक स्थानों पर 42 अन्य संगठन सक्रिय रूप से कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। प्रमुख संगठनों में: ईशा फाउंडेशन, इस्कॉन, हार्टफुलनेस, चिन्मय मिशन, ब्रह्मकुमारी, माता अमृतानंदमयी मठ, पतंजलि, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद, चिश्ती फाउंडेशन, नामधारी सिख संगत, सूफी इस्लामिक बोर्ड और अणुव्रत शामिल हैं।

भविष्य के बीजः स्वच्छ पौध कार्यक्रम ने पकड़ी रफ्तार

रोग-मुक्त पौध सामग्री से भारतीय बागवानी का कायाकल्प

(जीएनएस)।

स्वच्छ पौध कार्यक्रम के तहत, देश भर में 9 स्वच्छ पौध केंद्र बनाए जाएँगे, ताकि रोगमुक्त और उत्पादक पौध सामग्री उपलब्ध हो सके।

● महाराष्ट्र में 300 करोड़ रुपए की लागत से 3 केंद्र स्थापित किए जाएँगे।

● बागवानी में क्रांति लाने के लिए संसाधनों और ताजा जानकारियों के एक मुख्य केंद्र के रूप में सीपीपी वेबसाइट की शुरूआत की गई।

● आधुनिक नर्सरियों द्वारा किसानों को प्रतिवर्ष 8 करोड़ रोगमुक्त पौधे उपलब्ध कराए जाएँगे।

● जोखिम विश्लेषण, नर्सरी जाँच और प्रयोगशाला सुधार जैसी जमीनी गतिविधियाँ जारी हैं, साथ ही प्रमाणन, प्रशिक्षण और फसल प्रोटोकॉल का विस्तार करने की भी योजना है।

भारतीय नौसेना ने मापुटो में प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के बंदरगाह आगमन के अवसर पर मोजाम्बिक नौसेना के साथ अपने संबंधों को और सुदृढ़ किया

(जीएनएस)।

स्थायी समुद्री मित्रता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भारतीय नौसेना के प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन (1टीएस) ने 16 से 19 सितंबर 2025 तक मापुटो, मोजाम्बिक में अपने चार दिवसीय बंदरगाह दौरे को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसमें आईएनएस तीर, आईएनएस शार्दुल, आईएनएस सुजाता और आईसीजीएस सारथी शामिल थे।

तैनाती के दौरान प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन (1टीएस) ने मोजाम्बिक नौसेना के साथ परिचालनिक आपसी सहभागिता क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए कई संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यासों में भाग लिया। इन गतिविधियों में संयुक्त गोताखोरी अभियान, अग्निशमन अभ्यास, वीबीएसएस (विजिट, बोर्ड, सर्च एंड सीजर) ऑपरेशन तथा ब्रिज मशीनरी नियंत्रण एकीकरण अभ्यास शामिल थे। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना के प्रशिक्षुओं ने कटेम्बे स्थित मरीन कमांडो स्कूल, बोएन स्थित सार्जेंट स्कूल और मनहिका स्थित आर्मी प्रैक्टिसिंग स्कूल का दौरा कर पारस्परिक प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लिया, जिससे आपसी समझ और सहयोग को नई दिशा मिली। वहीं, मोजाम्बिक नौसेना के समुद्री सवारों ने 1टीएस जहाजों पर संयुक्त ईईजेड निगरानी अभियानों में भाग लिया।

1टीएस के वरिष्ठ अधिकारी कैप्टन तिजो के. जोसेफ ने, दौरे पर आए जहाजों के कमांडिंग ऑफिसर्स के साथ मिलकर मोजाम्बिक नौसेना प्रमुख रियर एडमिरल यूजेनियो डायस दा सिल्वा मुआतुका, एफएडीएम के इंस्पेक्टर मेजर जनरल एजेकिएल मुइयांगा तथा मापुटो एयर फोर्स बेस के कमांडेंट कर्नल कैंडिडो जोस तिरानो से शिष्टाचार भेंट की। इन उच्च-स्तरीय मुलाकातों ने भारत और मोजाम्बिक के बीच गहरे होते रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने का संदेश दिया।

सामुदायिक संपर्क इस तैनाती का एक प्रमुख आयाम रहा। 1,000 से अधिक स्कूली छात्रों ने जहाजों का भ्रमण कर भारतीय नौसेना की संचालन क्षमताओं को निकट से समझा। मोजाम्बिक नौसेना मुख्यालय और मापुटो के स्थानीय अस्पताल में आयोजित चिकित्सा शिविर में 100 से अधिक मरीजों को उपचार उपलब्ध कराया गया।

वडोदरा रेल मंडल की हरित पहलः 1100 से अधिक पौधे लगाए और वितरित किए

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल ने 'स्वच्छता ही सेवा-2025' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु एक व्यापक वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस पहल के तहत मंडल के 109 विभिन्न स्थलों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें लगभग 450 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और कुल 1164 पौधे लगाए गए।

यात्रियों में हरियाली और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता जागृत करने के उद्देश्य से पौधों का वितरण भी किया गया। साथ ही, स्वच्छता और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए वडोदरा रेलवे स्टेशन परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसे यात्रियों ने उत्साहपूर्वक सराहा।

वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम के माध्यम से वडोदरा मंडल ने न केवल ह्लहरित भारतह्व के संकल्प को मजबूत किया है, बल्कि कर्मचारियों और नागरिकों के बीच पर्यावरण संरक्षण एवं सहभागिता की भावना को भी प्रोत्साहित किया है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता, हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा धरती को और अधिक हरा-भरा बनाना है।

भारतीय रेलवे ने शुरू की समयबद्ध कार्गो सेवाएँ, बढ़ाई माल परिवहन की गति

नई दिल्लीः भारतीय रेलवे ने माल परिवहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब समय-सारणी आधारित, वस्तु-विशेष कार्गो सेवाएँ शुरू की गई हैं, जो उत्तर भारत के प्रमुख उत्पादन और खपत केंद्रों को जोड़ती हैं। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाना, भरोसेमंद ट्रांज़िट समय सुनिश्चित करना और उद्योग-आधारित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करना है।

नई सेवाओं में शामिल हैंः

अन्नपूर्णा सेवाः लुधियाना से वाराणसी तक, 704 किमी, खाद्य अनाज का 17 घंटे में परिवहन।

गति-वाहन सेवाः फर्रुख नगर (हरियाणा) से लखनऊ तक, 557 किमी, ऑटोमोबाइल्स का 28 घंटे में परिवहन, पहले 70 घंटे लगते थे।

निर्यात कार्गो सेवाः गढ़ी से मुन्द्रा पोर्ट तक, 1061 किमी, कंटेनर का 32 घंटे में परिवहन।

अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवाः रूपनगर से अनंतनाग, 586 किमी, सीमेंट का 31 घंटे में परिवहन।

इन सेवाओं की योजना बनाने में ऋ्रछक, ऑटोमोबाइल ऑपरेटर, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर और पड़ोसी रेलवे जोन सहित सभी फ्रेट स्टेकहोल्डर्स के साथ व्यापक समन्वय किया गया। प्रारंभ में ये सेवाएँ परीक्षण के रूप में शुरू हुई थीं, लेकिन अब यह पूरी तरह से स्थिर और कुशल रूप से संचालित हो रही हैं।

ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही। ऋ्रछक ने अन्नपूर्णा सेवा की सराहना की, जिससे पंजाब और हरियाणा के अधिशेष क्षेत्रों से उत्तर प्रदेश के कमी वाले क्षेत्रों तक खाद्य अनाज की आपूर्ति में सुधार हुआ। मारुति सुजुकी ने गति-वाहन सेवा के तहत ट्रांज़िट समय 70 घंटे से घटकर 28 घंटे होने की जानकारी दी, जिससे रोड ट्रांसपोर्ट के बराबर डिलीवरी सुनिश्चित हुई। निर्यातक रिपोर्ट कर रहे हैं कि निर्यात कार्गो सेवा के जरिए मुन्द्रा पोर्ट तक 40 घंटे से कम में माल पहुँच रहा है, जिससे पोर्ट और शिपिंग कंपनियों के साथ समय पर समन्वय संभव हुआ। सीमेंट कंपनियों ने अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा और अनंतनाग गुड्स शेड के उद्घाटन का स्वागत किया, जिससे रेक डिस्पैच और ट्रक संचालन बेहतर हुए।

समयबद्ध ट्रेन आगमन और प्रस्थान की जानकारी के साथ, ये सेवाएँ कॉन्साइनर्स और कन्सिग्नी दोनों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स योजना बनाने में मदद कर रही हैं, जिससे पूर्वानुमान और दक्षता बढ़ रही है। भारतीय रेलवे उद्योग, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को समर्थन देते हुए विश्वस्तरीय, भरोसेमंद माल परिवहन सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अहमदाबाद मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा - 2025' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा - 2025' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए 21 सितंबर 2025 को सामुदायिक भवन, साबरमती परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने पौधारोपण कर इस अभियान की शुरूआत की। उनके साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती मंजू, मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने सक्रिय रूप से पौधे लगाए।

कार्यक्रम के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने बताया कि "वृक्ष प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं और उनका संरक्षण हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। 'स्वच्छता ही सेवा' जैसे अभियान न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।"

इस अभियान के तहत अहमदाबाद मंडल के विभिन्न स्थलों—जैसे साबरमती रेलवे कॉलोनी, आरपीएफ बैरक, वटवा, महेसाणा, गांधीनगर, गांधीधाम, राधानपुर तथा विरमगाम में भी वृक्षारोपण किया गया। इन स्थानों पर सैकड़ों पौधे रोपित किए गए तथा उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया गया।

पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मंडल द्वारा आयोजित यह वृक्षारोपण कार्यक्रम न केवल "हरित भारत" की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है, बल्कि इससे कर्मचारियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और सहभागिता की भावना को भी सुदृढ़ किया गया है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता, हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ावा देना तथा धरती को अधिक हरा-भरा बनाना रहा।

पशुपालन क्षेत्र में नारीशक्तिः गुजरात के डेयरी उद्योग के विकास में लाखों महिला पशुपालक दे रही हैं अभूतपूर्व योगदान

राज्य सरकार के अविरत प्रयासों से डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र में महिलाएँ बनीं आत्मनिर्भर; मासिक 1,75,000 रुपए की कमाई कर रही है कच्छ की सोनलबेन गोयल

पिछले 10 वर्षों में राज्य में विभिन्न पशुपालन योजनाओं के अंतर्गत महिला लाभार्थियों की संख्या 2 लाख से अधिक; लगभग 4986 मंडलियाँ महिला संचालित

बनास डेयरी में महिला सभासद वार्षिक 50 लाख रुपए से अधिक राशि का दूध जमा कराकर आर्थिक रूप से बनीं सक्षम

गांधीनगर, 21 सितंबर :नवरात्रि का पर्व माँ शक्ति के नौ रूपों की आराधना का पर्व है, जो नारी शक्ति का प्रतीक है। आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अग्रणी हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के नेतृत्व में विकास पर जोर दिया है। गुजरात में भी महिलाएँ विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रही हैं, खासकर राज्य के पशुपालन क्षेत्र का विकास महिलाओं को आभार है। आज गुजरात की लाखों महिला पशुपालक डेयरी सहकारी समितियों का नेतृत्व कर रही हैं, अच्छी आय अर्जित कर रही हैं और अपने समुदायों में बदलाव ला रही हैं। इसका श्रेय तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है, जिनके उल्लेखनीय प्रयासों को गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल दृढ़ गति से आगे बढ़ा रहे हैं। इसी के फलस्वरूप आज गुजरात में लाखों महिलाएँ पशुपालन क्षेत्र में सक्रिय योगदान दे रही हैं।

कच्छ की सोनलबेन गोयल पशुपालन से हर महीने 1,75,000 रुपएकमाती हैं

'एक समय मेरे पास 3 दुधारू पशु थे और मेरी मासिक 12,000 रुपए की आय होती थी। आज राज्य सरकार की सहायता से मैं मासिक 1,75,000 रुपए की कमाई कर रही हूँ। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी साहब ने किसानों एवं पशुपालकों की आय दुगुनी करने का सपना संजोया है, जो हमारे लिए वास्तविक बन गया है।' ये शब्द हैं कच्छ जिले में मुंद्रा तहसील के पत्री गाँव में रहने वालीं सोनलबेन गोयल के, जो राज्य सरकार की स्वरोजगार-पशुपालन व्यवसाय के लिए 50 दुधारू पशुओं का डेयरी फार्म स्थापित करने की सहायता योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से स्वतंत्र तथा सशक्त बनी हैं। न केवल सोनलबेन, बल्कि राज्य की हजारों महिलाएँ आज दूध सहकारी मंडलियों का नेतृत्व कर रही हैं और लाखों की कमाई कर रही हैं। इसका श्रेय तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है, जिनके उल्लेखनीय प्रयासों को गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल दृढ़ गति से आगे बढ़ा रहे हैं। इसी के फलस्वरूप आज गुजरात में लाखों महिलाएँ पशुपालन क्षेत्र में सक्रिय योगदान दे रही हैं।

गुजरात में डेयरी एवं पशुपालन में महिलाओं की भूमिका उल्लेखनीय

गुजरात में पिछले दो दशकों में महिलाओं के लिए डेयरी उद्योग आर्थिक स्वतंत्रता तथा सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। ये महिलाएँ उनके परिवारों की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के अलावा परिवार के लिए स्वास्थ्य तथा शिक्षा भी सुनिश्चित कर रही हैं। महिला दूध उत्पादक मंडलियों तथा महिलाओं के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं द्वारा उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति मजबूत बनी है। उल्लेखनीय बात यह है कि आज पशुपालन तथा दूध उत्पादन के विभिन्न कामकाज में महिलाओं का योगदान लगभग 70 प्रतिशत है।

राज्य में 21,000 से अधिक मंडलियों में लगभग 4986 मंडलियाँ महिला संचालित

गुजरात के पशुपालन क्षेत्र में महिलाओं द्वारा संचालित डेयरी को-ऑपरेटिव्स तथा स्वयं-सहायता समूहों की संख्या भी उल्लेखनीय है। राज्य में कुल 21,000 से अधिक दूध उत्पादक सहकारी मंडलियाँ हैं, जिनमें से लगभग 4986 महिला संचालित मंडलियाँ हैं। राज्य के कुल 32 लाख से अधिक सभासदों में 10 लाख से अधिक सभासद महिलाएँ हैं। बनास डेयरी जैसी बड़ी डेयरियों में, जहाँ एक दिन में लगभग अधिकतम 1 करोड़ लीटर दूध जमा होता है, वहाँ भी महिला पशुपालकों का उल्लेखनीय योगदान है। बनास डेयरी में काफी बड़ी संख्या में महिला सभासद वार्षिक 50 लाख रुपए से अधिक राशि का दूध जमा कराकर आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनी हैं।

राज्य सरकार की मदद से आज कच्छ की सोनलबेन कर रही हैं मासिक 1,75,000 रुपए की कमाई

गुजरात सरकार की 50 दुधारू पशुओं के डेयरी फार्म की स्थापना के लिए सहायता योजना कई महिलाओं की आत्मनिर्भरता में कुंजीरूपी सिद्ध हुई है। कच्छ की सोनलबेन नारणभाई गोयल ने लॉकडाउन के समय का सदुपयोग कर आई-खेडूत पोर्टल पर इस योजना अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके बाद उन्होंने बैंक से ऋण प्राप्त कर 50 दुधारू पशु खरीद कर शेड बनाया और साथ में दूध दोहन मशीन, घास काटने की चाफ कटर मशीन, फोगर सिस्टम आदि की खरीद भी की।

बिजली विभाग के एक इंजीनियर की बेहिसाब संपत्ति का सबूतों के साथ पदार्फाश!

अपने पद का इस्तेमाल निजी संपत्ति संचय में करना, राष्ट्र के साथ विश्वासघात से कम नहीं है।

सी॰ एम॰ जैन` भारत में भ्रष्टाचार की कहानियों की कभी कमी नहीं रही, लेकिन कुछ मामले अपनी निडरता, व्यापकता और बेशर्मी के कारण बाकियों से कहीं आगे निकल जाते हैं। डीएनएच और डीडी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सहायक अभियंता के रूप में कार्यरत समीर किशोरकुमार पांड्या की कहानी ऐसा ही एक मामला है। संदिग्ध भूमि सौदों और अस्पष्ट जीवनशैली विकल्पों की अफवाहों से शुरू हुआ यह मामला समय के साथ आय से अधिक संपत्ति, बेनामी लेनदेन, मिलीभगत से धोखाधड़ी और सरकारी पद के दुरुपयोग की ओर इशारा करने वाले सबूतों के एक अकाट्य ढेर में बदल गया है। यह सिर्फ. एक सरकारी कर्मचारी की कहानी नहीं है; यह उस व्यवस्था का आईना है जो अक्सर सार्वजनिक ज़िम्मेदारी वाले व्यक्तियों को चुपचाप अपनी आधिकारिक शक्ति को निजी साम्राज्यों में बदलने की अनुमति देती है।

1997 को विद्युत विभाग में हुई थी नियुक्ति।

ज्ञात हो कि समीर किशोरकुमार पंड्या 13 नवंबर 1997 को दमन और दीव विद्युत विभाग में कनिष्ठ अभियंता के रूप में सरकारी सेवा में शामिल हुए। 8 मई 1972 को जन्मे, उनके करियर का पथ ऊपर से देखने पर एक सामान्य पथ पर ही चलाः वरिष्ठता के माध्यम से पदोन्नति, जिसकी परिणति सहायक अभियंता के रूप में उनके वर्तमान पद पर हुई। कागजी तौर पर, उनका वेतन और वैध आय उन्हें एक मध्यमवर्गीय अधिकारी के दायरे में रखती है। फिर भी, जब कोई उनकी संपत्ति प्रोफाइल की जाँच करता है, तो एक चौंकाने वाला अंतर दिखाई देता हैः संपत्ति, जमीन, कॉर्पोरेट साझेदारियाँ और वित्तीय लेन-देन करोड़ों में हैं, जो किसी भी कानूनी आय स्रोत से उचित नहीं ठहराए जा सकते।

परिवार के नाम पर कई बड़ी ओधोगिक इकाइयां।

समीर पंड्या के निकटतम परिवार में उनकी पत्नी सुमिता समीर पंड्या, पुत्र वरुण और पुत्री इशानी शामिल हैं। साक्ष्य दशार्ते हैं कि सुमिता पंड्या संपत्ति और संपदा संचय में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं, और उनका नाम कंपनी साझेदारी और भूमि स्वामित्व अभिलेखों में बार-बार दिखाई देता है। 1. आर.के. पेट प्रोफाइल्स, जो भीमपुर, दमण में स्थित है, जहाँ सुमिता पंड्या, केतन पंड्या के साथ साझेदार हैं। 2. मैक्स

भावनगर रेलवे मंडल पर 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' के अंतर्गत वॉकथॉन का सफल आयोजन

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर 21 सितम्बर, 2025 (रविवार) को ह्लस्वच्छता ही सेवा अभियान-2025ह्व के अंतर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए वॉकथॉन (हं"इँङ्खल्ल) का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वॉकथॉन को मंडल कार्यालय से अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह कार्यक्रम मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा की प्रेरणा से आयोजित किया गया था। वॉकथॉन का मार्ग मंडल कार्यालय से प्रारंभ होकर फ्ढत्र कार्यालय सर्किल - अधिकारी विश्राम गृह - स्टेडियम कॉलोनी - पोपट कॉलोनी - फ्ढत्र कार्यालय सर्किल होते हुए पुनः मंडल कार्यालय पर संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान भावनगर मंडल पर प्रतिदिन अलग-अलग थीम पर विशेष कार्यक्रम एवं सफाई अभियान आयोजित किए जा रहे हैं।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, फिटनेस और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा रेलकर्मियों एवं नागरिकों को स्वस्थ, सक्रिय जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करना था। यह पहल आलस्य, तनाव, चिंता और बीमारियों से मुक्ति दिलाकर स्वच्छ और स्वस्थ समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

प्रधानमंत्री 22 सितम्बर को अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा का दौरा करेंगे

अरुणाचल प्रदेश की विशाल जलविद्युत क्षमता के उपयोग के लिए, प्रधानमंत्री ईटानगर में 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे

प्रधानमंत्री जीवन स्तर में सुधार के लिए कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य और अन्य विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे

प्रधानमंत्री त्रिपुरा में, माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर के विकास कार्यों का दौरा और उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 22 सितम्बर को अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा का दौरा करेंगे। वे ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली अनेक विकास परियोजनाओं की अधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

इसके बाद, वे त्रिपुरा का दौरा करेंगे और पूजा-अर्चना करेंगे तथा माताबाड़ी में 'माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर' के विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे।

अरुणाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री

क्षेत्र में विशाल जलविद्युत क्षमता का उपयोग करने और निरन्‍ तर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री ईटानगर में 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। हीओ जलविद्युत परियोजना (240 मेगावाट) और तातो-क जलविद्युत परियोजना (186 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश के सियोम उप-बेसिन में बनाई जाएंगी।

. प्रधानमंत्री तवांग में एक अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला भी रखेंगे। सीमावर्ती जिले तवांग में 9,820 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित यह केन्द्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सांस्कृतिक उत्सवों और प्रदर्शनियों की मेजबानी के लिए एक ऐतिहासिक इमारत के रूप में कार्य करेगा। 1,500 से अधिक प्रतिनिधियों की मेजबानी करने की क्षमता के साथ, यह केन्‍ द्र वैश्विक मानकों को पूरा करेगा और क्षेत्र की पर्यटन और सांस्कृतिक संभावना में सहयोग करेगा।

प्रधानमंत्री 1,290 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली अनेक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी शुभारंभ करेंगे, जो कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, अग्नि सुरक्षा, कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावासों सहित विभिन्न क्षेत्रों को लाभान्वित करेंगी। इन पहलों से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने, जीवन स्तर में सुधार और कनेक्टिविटी में सुधार होने की उम्मीद है।

व्यापार में सुगमता सुनिश्चित करने और एक जीवंत उद्यमशीलता इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की अपनी कल्पना के अनुरूप, प्रधानमंत्री स्थानीय करदाताओं, व्यापारियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ हाल ही में जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रभाव पर भी चर्चा करेंगे।

त्रिपुरा में प्रधानमंत्री

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के तहत माताबाड़ी में 'माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर' के विकास कार्य का उद्घाटन करेंगे। यह त्रिपुरा के गोमती जिले के उदयपुर शहर में स्थित प्राचीन 51 शक्तिपीठों में से एक है।

इस परियोजना को ऊपर से कछुए के आकार का आकार दिया गया है, जिसमें मंदिर परिसर में सुधार, नए रास्ते, पुनर्निर्मित प्रवेश द्वार और बाड़, जल निकासी व्यवस्था, स्टालों, ध्यान कक्ष, अतिथि आवास, कार्यालय कक्षों सहित एक नये तीन मंजिले परिसर का निर्माण आदि शामिल हैं। यह पर्यटन को बढ़ावा देने, रोजगार और व्यापार के अवसर पैदा करने और क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दीक्षा संवाद के तीसरे संस्करण में अंडमान एवं निकोबार कमान की भूमिका को एक समुद्री रणनीतिक केंद्र के रूप में रेखांकित किया गया

(जीएनएस)।

भारत की एकमात्र परिचालन संयुक्त सेवा कमान अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) ने 19-20 सितंबर, 2025 को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के श्री विजयपुरम में 'रणनीतिक केंद्र के रूप में एएनसी का विकास और उससे आगे' विषय पर द्वीप दीक्षा वार्ता के तीसरे संस्करण की सफलतापूर्वक मेजबानी की। यह संवाद आयोजन अब एक प्रमुख रणनीतिक मंच बन चुका है, जो सशस्त्र बलों, कूटनीति, शिक्षा, मीडिया और रणनीतिक मामलों से जुड़े प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को एक साथ लेकर आता है। इस मंच का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की समुद्री और सुरक्षा व्यवस्था को आकार देने में एएनसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श करना है।

इस संवाद में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एएनसी के कमांडर-इन-चीफ (सीआईएनसीएएन) लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राणा और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लेफ्टिनेंट गवर्नर एडमिरल डी.के. जोशी ने उच्चस्तरीय संबोधन दिए।

हालांकि इस वार्ता का वास्तविक महत्व इसमें निहित था कि सेवारत अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, विश्लेषकों और विचारकों ने के बीच यह चर्चा हुई कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने हितों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित कर सकता है।

इस मंच पर भविष्य-उन्मुख युद्धक कार्रवाई संबंधी अवधारणाओं, संज्ञानात्मक और साइबर युद्ध, रणनीतिक संकेतों तथा क्षेत्र में भारत की 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' की भूमिका को सशक्त करने जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

विशिष्ट प्रतिभागियों में पूर्व नौसेना प्रमुख और प्रथम सीआईएनसीएएन एडमिरल अरुण प्रकाश (सेवानिवृत्त), पूर्व सीआईएनसीएएन लेफ्टिनेंट जनरल अजय सिंह (सेवानिवृत्त), रियर एडमिरल मोंटी खन्ना (सेवानिवृत्त), उप सेना प्रमुख (रणनीतिक) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई तथा पूर्व फ्लैग ऑफिसर वाइस एडमिरल अनिल चावला (सेवानिवृत्त) शामिल थे।

गिल-अभिषेक से मैदान पर भिड़े हारिस रऊफ, दोनों युवाओं ने निकाली पाकिस्तानी की गर्मी, अंपायर ने शांत कराया मामला

(जीएनएस) ।भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा तीव्र गति वाला होता है। एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में भारतीय टीम के बल्लेबाजों ने पाक की जमकर धुनाई कर डाली। पिछले मैच में हाथ नहीं मिलाने से चिढ़े हुए पाकिस्तानी खिलाड़ी मैदान पर उल्टी-सीधी हरकतें कर रहे हैं। हारिस रऊफ ने गुस्सा दिखाते हुए छेड़खानी की।

अभिषेक शर्मा और गिल बैटिंग कर रहे थे, तो दोनों के साथ रऊफ ने अग्रेशन दिखाया। अभिषेक शर्मा ने उनको जवाब देने में कोई नरमी नहीं बरती। जिस तरह रऊफ ने बात की, उसी तरह अभिषेक शर्मा ने वापस उनको कुछ कहा। यह तब शुरू हुआ, जब अभिषेक शर्मा ने रऊफ को चौका जमा दिया था।

इसके बाद उन्होंने कुछ कहा था। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर वह गिल के साथ भिड़ने चले गए। गिल ने अंतिम गेंद पर चौका जड़ने के बाद रऊफ से पूछा कि क्या बात है, मुझे बोल। उसमें अभिषेक शर्मा भी उनके साथ हो गए और दोनों ने मिलकर हेकड़ी निकाल दी। इस बीच अंपायर ने आकर मामला शांत करा दिया।

सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा हुई कि दोनों युवा भारतीय प्लेयर्स ने मिलकर पाकिस्तानी खिलाड़ी की अकड़ निकाल डाली। इसके बाद अगले ओवर में इन दोनों ने मिलकर साइम अयूब को निशाना बनाया और 3 धांसू चौके जड़कर पावरप्ले में तहलका मचा दिया। अभिषेक शर्मा ने

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

ट्रंप ने इसी दुराशय के वशीभूत होकर एच1बी वीजा शुल्क बढ़ाया

इन दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सलाहकार मंडली जुबान से तो भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए मीठी-मीठी बातें तो करती हैं किन्तु कार्रवाई इस तरह की करने में व्यस्त हैं जिससे देश के हर वर्ग को प्राभावित होना पड़ता है। शक्रवार को भी ट्रंप ने इसी दुराशय के वशीभूत होकर एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किया जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क पर एक लाख अमेरिकी डालर बढ़ा दिया है। निश्चित रूप से ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रातिवूल प्राभाव पड़ना तय है। व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव विल शार्प ने कहा कि एच1बी गैर प्रावासी वीजा कार्यव्रम देश की वर्तमान वीजा प्राणाली में सबसे अधिक दुरुपयोग की जाने वाली वीजा प्राणालियों में से एक है।

दरअसल जब कोई व्यक्ति इतना ज्यादा किसी के प्राति द्वेष रखता है तो कभी-कभी उसकी नकारात्मक कार्रवाई भी लक्षित व्यक्ति, समुदाय या राष्ट्र के हित में ही साबित हो जाती है। भारत तो बहुत ही प्राातिभा पलायन के कारण कई क्षेत्रों में पेशेवरों के टोटा होने से परेशान है। भारत में तमाम आईआईटी और एनआईटी होने के बावजूद विकासोन्मुख भारत को मेक इन इंडिया के लिए प्राौद्योगिकी के विशेषज्ञ पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहे हैं। पहले तो भारत में सुविधा न मिल पाने के कारण भारत से टेक्नालाजी संस्थानों से स्नातक की डिग्री लेकर डालर की लालच में युवक अमेरिका और दूसरे विकसित देशों में चले जाते थे किन्तु आज देश में ऐसे महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए भारत में सुविधाओं की कमी नहीं है। निाति रूप से भारतीय पेशेवरों को लक्ष्य बनाकर लागू की जाने वाली अमेरिकी वीजा नीति से अप्रात्यक्ष लाभ भारत को ही होगा क्योंकि हमारी प्राातिभा हमारे घर में ही रहेगी। भारत में आज वुशल कामगार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। यदि अमेरिका से प्राौद्योगिकी और आईटी के पेशेवर भारत वापस आ जाएं तो न सिर्फ भारत में स्टार्टअप्स की बाढ़ आ जाएगी और जरूरतमंद वंपनियों को मानव संसाधन उपलब्ध हो जाएंगे बल्कि अमेरिका में जो भारतीय पेशेवर वहीं के लिए समर्पण भाव से काम कर रहे हैं, उनकी हालत दिन प्रातिदिन प्राातिभा के अभाव में संकटग्रास्त हो जाएगा। भारतीय पेशेवरों और चीन के अमेरिका में अध्ययन करने वाले छात्रों की तुलना करें तो एक हैरान करने वाला तथ्य सामने आता है कि चीनी छात्र पढ़ाई पूरी करके अपनी प्राातिभा और अनुमान का लाभ अपने देश को देने चीन चले जाते हैं किन्तु भारतीय संस्थानों में पढ़े लिखे छात्र अमेरिका को अपना ही देश मानकर जीजान से उसके विकास के लिए जुटे रहते हैं। फिर अमेरिका को वुछ दिनों या वर्षो बाद इस बात का एहसास होगा कि उनके एक राष्ट्रपति कितने नासमझ थे जिनकी वजह से भारतीय प्राातिभा से उनके देश की वंपनियां वंचित हो गईं। भारतीय इंजीनियरों, डाक्टरों और शिक्षकों ने अमेरिका को अपना देश मानकर वर्षो से जो तपस्या की है उन्हीं का परिणाम है कि आज अमेरिका हर क्षेत्र में शिखर पर है। अमेरिका को यह बात महसूस करनी चाहिए कि वह शीर्षस्थ शिखर पर पहुंच चुका है और प्रावृति का नियम यही है कि जो एक बार शीर्षस्थ हो जाता है उसका नीचे खिसकना अनिवार्य है। शीषरेन्मुखी है, उसे शीर्ष के शिखर पर पहुंचना ही है, इसलिए लगता यही है कि ट्रंप और उनके सलाहकारों ने पेशेवर प्रावासी भारतीयों के खिलाफ नीति निर्धारण करके अप्रात्यक्ष रूप से भारत को ही लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।

श्री अमित शाह ने जोधपुर में 'श्री पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय' के भवन और विधार्थियों के लिए छात्रावास का शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विशेष रूप से सक्षम लोगों को 'दिव्यांग' कहकर उन्हें देखने के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया

दिव्यांग शब्द देकर मोदी जी ने सभी दिव्यांगजनों में नए आत्मसम्मान, नई पहचान और आत्मनिर्भर बनने का स्वप्न जगाने का काम किया

जब दिव्यांगों को दया की जगह दिव्यता का प्रतीक मानने की शुरूआत होती है, तब सच्चे अर्थों में दिव्यांगजनों के लिए काम होता है

श्री पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय लोगों को दिव्यांगों को अपनाने और उन्हें मिली विशिष्ट शक्ति को पहचानकर आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रेरित कर रहा है

मोदी सरकार ने दिव्यांगजनों के कौशल को पहचानकर उन्हें उचित मंच देने का काम किया

समाज, सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर अगर दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए काम करें, तो कुछ भी असंभव नहीं है

मोदी सरकार ने सुगम्य भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार के 1314 भवनों, 90 हवाईअड्डों को दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाने का काम किया

आजादी से 2014 तक सिर्फ 7 लाख लोगों को केंद्र सरकार ने कृत्रिम अंग व यंत्र दिए थे, मोदी सरकार ने 10 वर्षों में 31 लाख से अधिक लोगों को कृत्रिम सहायता अंग दिए

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज राजस्थान के जोधपुर में 'श्री पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय' के भवन और विधार्थियों के लिए छात्रावास का शिलान्यास किया। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा सहित और केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने जीवन को दिव्यांगों के सेवा कार्यों से जोड़ता है, तो वह अनेक लोगों को प्रेरित भी करता है और लोगों को इस काम के साथ भी जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने दिव्यांगो को भी कोई न कोई विशिष्ट शक्ति दी है और उस शक्ति को पहचानकर उनके जीवन को सरल बनाने के भाव को सुशीला जी के जीवन से हजारों लोगों ने ग्रहण किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि लगभग 15 करोड़ रुपए की लागत से तीन परियोजनाओं का आज यहां शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि इस

संस्था के ट्रैक रिकॉर्ड के अनुसार यह तीनों परियोजनाओं का काम समय पर पूरा होगा जिससे सैकड़ों बच्चों के जीवन में नया उजियारा आएगा। उन्होंने कहा कि सुशीला जी ने 5 विद्यालयों, दो महाविद्यालयों, निःशुल्क छात्रावास, भोजन, ऑडियो बुक्स, रिकॉर्डेड लेक्चर्स, ब्रेल प्रिंटिंग प्रेस, स्क्रीन रीडर, कम्प्यूटर लैब और पुस्तकालय के माध्यम से दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं के जीवन में ज्ञान और दृष्टि का प्रकाश प्रसारित किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय 2022 में राजस्थान का पहला नेत्रहीन महाविद्यालय बना। जब दिव्यांगों को दया की जगह दिव्यता का प्रतीक मानने की शुरूआत होती है तब सच्चे अर्थों में दिव्यांगजनों के लिए काम होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2015 में पहली बार विशेष रूप से सक्षम लोगों के लिए 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग करना शुरू किया। यह शब्द ही द्योतक है कि प्रधानमंत्री जी के एक ही फैसले से पूरे भारत की जनता, सभी राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार का दिव्यांगजनों को देखने का नजरिया बदला है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के सभी दिव्यांगों के अंदर दिव्यांग शब्द से नए आत्मसम्मान, नई पहचान, आत्मनिर्भर बनने का स्वप्न जगाने का काम किया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के सभी दिव्यांगजनों के अंदर मौजूद खेल कौशल को प्लेटफॉर्म दिया है। विश्व में पैरालंपिक खेलों की शुरूआत 1960 में हुई और तब से 2012 तक हुए सभी पैरालंपिक खेलों में भारत को सिर्फ 8 पदक मिले थे। पिछले तीन पैरालंपिक खेलों में भारत ने 52 पदक जीते और इससे हमारे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। श्री शाह ने कहा कि समाज, सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर अगर दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए काम करें, तो कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पैरालंपिक खेलों में 52 पदक जीतना इस बात को दशार्ता है कि हमारे दिव्यांगजन सब कुछ कर सकते हैं, बस जरूरत है उनका हाथ थामने, उनके अंदर की शक्ति को पहचान कर उन्हें उचित मंच प्रदान करने की।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के बजट को 2014 के 338 करोड़ से रुपए से बढ़ाकर आज 1313 करोड़ रुपए तक पहुंचा दिया है। मोदी सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम किया है। सुगम्य भारत अभियान के तहत भारत सरकार के 1314 भवनों में 563 करोड़ रुपए खर्च कर उन्हें दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाया गया है। इसके अलावा, 1748 अन्य इमारतों को भी सुगम्य बनाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि 35 अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों और 55 घरेलू हवाईअड्डों को दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाने का काम भी किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने से पहले सिर्फ 7 लाख लोगों को भारत सरकार ने कृत्रिम अंग और यंत्र दिए थे, लेकिन मोदी सरकार के पिछले 10 सालों में 18 हजार शिविर लगाकर 31 लाख लोगों को कृत्रिम सहायता अंग देने का काम किया गया है।

'दुर्गा आराधना पर्व : नवरात्रि'

माँ की महिमा, वात्सल्य एवं स्नेह तो शब्दों से परे है। माँ की सृजन शक्ति अतुलनीय है। माँ का त्याग, समर्पण और प्रेम अद्वितीय है। ऐसी ही जगतमाता, जगदंबा, भगवती हमारे कल्याण के लिए नवरात्रि में शक्ति की आराधना के उत्सव पर्व में गज पर सवार होकर पधार रही है। शिव सदैव शक्ति के साथ अपनी पूर्णता से सुशोभित होते है। वे अर्धनारीश्वर स्वरूप में स्त्री सम्मान को प्रदर्शित करते है। प्रत्येक ईश्वरीय सत्ता में हमें नारी के प्रति समभाव दिखाई देता है, फिर चाहे वह राधे-कृष्ण हो, सीता-राम हो, उमा-शंकर हो या लक्ष्मी-नारायण स्वरूप हो। उच्चारण में भी नारी को ही प्रथम स्थान दिया गया है।

माँ की करुणा तो सदा भक्तो के लिए मंगलकारी होती है। माँ भी सदैव सृष्टि के संचालन को सुचारु रूप से चलाने के लिए ईश्वर के साथ लीलाओं में सहयोगी होती है। सती का रूप धारण कर माँ भक्तों के लिए 51 शक्ति पीठों के रूप में आशीर्वाद प्रदान करने के लिए विराजमान हो गई और प्रत्येक भक्त के लिए माँ ने भिन्न-भिन्न स्थानो को चयनित किया। माँ तो सर्वत्र विद्यमान है। माँ का न तो आदि है न अंत। दयामयी, कृपालु माँ तो अंत में भैरव को भी क्षमा कर अपने दर्शन में सहज रूप में सम्मिलित करती है। इतनी उदारता तो केवल माँ के स्वभाव में भी परिलक्षित हो सकती है। माँ की ममता को भला कौन भक्त अनुभव नहीं कर सकता, यदि वह सच्चे मन से स्मरण करें तो माँ सदैव सहायक होती है। दानवों के अत्याचार से भक्तों एवं संतो को बचाने के लिए माँ सिंह पर सवार होकर आती है और सृष्टि को पाप के भय से मुक्त करती है।

माता का एक सरल स्वभाव होता है कि वह बालक की गलतियों को नहीं, बल्कि सदैव उसके अच्छे गुणों एवं कर्मों को याद रखती है, इसलिए यदि हम ईश्वर से भक्ति-भाव के साथ जुड़ जाए तो यह समबंधन ईश्वर भी समान रूप से निर्वहन करते है। यदि हम माता के आगमन की प्रतीक्षा करते है तो माँ भी हमारे पुकारने की प्रतीक्षा में व्याकुल रहती है। जब बच्चा माँ के पास आकर बैठता है और अपने मनोभाव एवं दशा माँ को बताता है तब माँ ही तो होती है जो सुनने एवं समझने का प्रयास करती है। वह प्रत्येक स्थिति में बालक की उन्नति चाहती है। उसकी प्राथमिकता में सदैव बालक का हित निहित होता है। जगतमाता तो सर्वस्व कल्याणी एवं भक्त वत्सल स्वरूपा है। वे कैसे भक्तों की पुकार पर मनोवांछित एवं यथेष्ठ फल न प्रदान करें। श्रीराम कथा में स्वयं माता सीता ने माता पार्वती की स्तुति की थी और कहा था कि माँ आप तो शिव प्रिया एवं वरदान देने वाली हो। आप तो अपने भक्तों को चारों पुरुषार्थ सहजता से प्रदान कर देती है। जिस तरह बालक के हृदय में माँ का निवास होता है वह अपनी प्रत्येक इच्छा पूर्ति के लिए माँ से ही आस लगाता है, वैसे ही माँ के हृदय में भी सदैव बालक की चिंता विद्यमान होती है।

वर्तमान समय में हम प्रत्येक स्थिति में परिवर्तन देख रहे है और हम यह समझ रहे है कि यह सृष्टि ईश्वरीय सत्ता के द्वारा संचालित होती है। हमारी शक्ति ईश्वर की शक्ति के आगे नगण्य है। हमारे जीवन में शामिल यह सभी उत्सव एवं पर्व हमें ईश्वरीय सत्ता से जुड़ने एवं उनके प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ होने के लिए प्रेरित करते है। यदि हम इन उत्सवों में ईश्वर के प्रेम, अनुराग एवं भक्ति में डूबते है तो हम जैसे-तैसे भव सागर से पार तो निश्चित ही हो जाएंगे। ईश्वर का ध्यान, पूजन एवं अर्चन हमारी मानसिक एकाग्रता को भी बढ़ाता है एवं हमें आनंद एवं शांति प्रदान करता है। दुर्गा आराधना पर्व में दुर्गा सप्तशती के पाठ द्वारा माता की आराधना श्रेष्ठ होती है। कन्या पूजन हमें बेटियों को भी अपनत्व से अपनाने एवं प्रेम प्रदान करने की ओर अग्रसर करता है, क्योंकि आँगन की सुंदरता बेटियों से ही सुशोभित होती है। माता की आराधना को उत्सव रूप प्रदान करने के लिए सर्वत्र गरबा नृत्य का भी आयोजन किया जाता है। यह उत्सव एवं आराधना पर्व हमें नारी के प्रति कृतज्ञ एवं सम्मानभाव रखने की भी प्रेरणा देता है। तो आइये इस नवरात्रि पूर्ण निष्ठा भाव से माता के विभिन्न स्वरूपों का ध्यान करें एवं जीवन में भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति को प्राप्त करें।

डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका)
प्रेषकः
डॉ. रीना रवि मालपानी
9039551172

'सेवा पर्व' के अवसर पर केवीआईसी द्वारा खादी महोत्सव-2025 का भव्य शुभारंभ

(जीएनएस)।

अध्यक्ष केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के

संसदीय क्षेत्र वाराणसी से किया खादी महोत्सव-2025 का शुभारंभ।

17 सितंबर से 23 अक्टूबर 2025 तक पूरे देश में 'खादी महोत्सव-2025' का होगा आयोजन।

17 से 19 सितंबर तक केवीआईसी के मुख्यालय मुंबई में स्वदेशी और स्वच्छता को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।

अध्यक्ष केवीआईसी के नेतृत्व में 18 सितंबर को मुंबई के जुहू बीच में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

अध्यक्ष केवीआईसी ने कहा, 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' मंत्र के साथ केवीआईसी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'स्वदेशी क्रांति' को जन-जन तक पहुंचा रहा।

'सेवा पर्व' के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' के मंत्र को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 17 सितंबर से 23 अक्टूबर तक पूरे देश में 'खादी महोत्सव-2025' का आयोजन कर रहा है।

17 सितंबर को केवीआईसी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से खादी महोत्सव-2025 का भव्य शुभारंभ किया। इसके उपरांत केवीआईसी के केंद्रीय कार्यालय मुंबई में 18 और 19 सितंबर को स्वदेशी, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

18 सितंबर को मुंबई के जुहू बीच पर 'सेवा पर्व-2025' के तहत विशेष स्वच्छता अभियान-05 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने स्वच्छता अभियान की अगुआई की और 'स्वच्छता से राष्ट्र सेवा' का संदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अभियान में केवीआईसी के सैकड़ों अधिकारी एवं कर्मचारी उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।

19 सितंबर को केंद्रीय कार्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों, कर्मचारियों और अधिकारियों को आयोग के अध्यक्ष द्वारा सम्मान-पत्र व पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने कहा कि 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' मंत्र के साथ केवीआईसी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'स्वदेशी क्रांति' को जन-जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान- ह्लसेवा ही संकल्प, राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणाह्व से प्रेरित होकर केवीआईसी राष्ट्र सेवा के पथ पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने खादी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कभी ब्रांड्स प्राथमिकता थे, लेकिन अब खादी हमारी प्राथमिकता बन गई है। खादी अब केवल वस्त्र नहीं, बल्कि पूज्य बापू द्वारा प्रदत्त 'आत्मनिर्भर भारत' का सशक्त आधार है।

श्री मनोज कुमार ने बताया कि खादी ने अब 'फार्म टू फैशन' तक सभी उद्योगों को जोड़ते हुए "हर घर स्वदेशी" का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। पिछले 11 वर्षों में इसका स्वरूप पूरी तरह बदला है और खादी का कारोबार 1.70 लाख करोड़ रुपये की सीमा पार कर चुका है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में केवीआईसी आज कुटीर उद्योगों की सबसे मजबूत कड़ी बन चुका है, जो दिन-रात कारीगरों के साथ मिलकर स्वदेशी को वैश्विक मंच तक ले जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के कथन "हम देश के लिए सहेंगे, लेकिन आत्मनिर्भर भारत बनाकर रहेंगे" का संदर्भ देते हुए उन्होंने डिजिटल इंडिया और बच्चों के लिए सशक्त भारत की संकल्पना को दोहराया।

इस अवसर पर केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री रूपराशि ने कहा कि 'सेवा पर्व' और जीएसटी लाभ जैसे प्रयासों से नई पीढ़ी को खादी और स्वदेशी के मूल्यों का वास्तविक बोध हो रहा है। उन्होंने कहा कि खादी सिर्फ वस्त्र नहीं, बल्कि कारीगरों और जनसाधारण के सहयोग का प्रतीक है, जिसमें आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान की शक्ति निहित है। उन्होंने कहा कि हर बच्चा खादी का राजदूत बन सकता है।

खादी महोत्सव के अवसर पर केंद्रीय कार्यालय मुंबई में अधिकारियों व कर्मचारियों ने 'वोकल फॉर लोकल' की भावना से स्वदेशी का संकल्प लिया। पारंपरिक खादी परिधान में उन्होंने 'खादी यात्रा' निकाली। इसके साथ ही एक रंग-बिरंगी स्वदेशी रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ, जिसमें सभी ने सक्रिय भागीदारी की।

कल से बदलेगा टैक्स सिस्टम, लेकिन क्या पुराने स्टॉक भी मिलेंगे सस्ते? सरकार ने साफ किया जवाब

(जीएनएस)।

देशभर में 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने जा रही हैं। सरकार ने टैक्स स्ट्रक्चर को आसान बनाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए मौजूदा 5%, 12%, 18% और 28% वाले स्लैब को घटाकर सिर्फ दो दरों में बांट दिया है -5% और 18%। इसके अलावा लग्जरी और 'सिन गुड्स' जैसे पान मसाला, तंबाकू, काबोर्नेटेड ड्रिंक और याट-पर्सनल जेट पर 40% टैक्स का प्रावधान किया गया है।

टैक्स स्लैब में बदलाव का सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ने वाला है। जरूरत का सामान, गाड़ियों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स और दवाइयां तक, सब सस्ता होगा। यानी इस बार त्योहारों की खरीदारी लोगों के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित होगी। लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दुकानों में पड़े पुराने स्टॉक पर भी ग्राहकों को सस्ते दाम मिलेंगे? अब सरकार ने इस पर साफ-साफ जवाब दिया है।

क्या पुराने स्टॉक पर भी घटे हुए दाम मिलेंगे?

सरकार का कहना है कि टैक्स कटौती का फायदा सिर्फ नए स्टॉक तक सीमित नहीं रहेगा। भले ही दुकानों में रखे पुराने माल पर MRP ज्यादा प्रिंट हो, लेकिन ग्राहकों को वही सामान नई दरों के हिसाब से खरीदने का हक है। यानी 22 सितंबर से हर सामान पर घटाए गए GST का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाना दुकानदारों की जिम्मेदारी होगी।

अगर दुकानदार फायदा न दें तो क्या करें?

सरकार ने साफ किया है कि अगर कोई दुकानदार घटाए गए टैक्स का फायदा ग्राहकों को नहीं देता, तो उस पर सख्त कार्रवाई होगी। दोषी पाए जाने पर दुकानदारों को जुमार्ना या जेल की सजा भी हो सकती है।

ग्राहक इस बारे में शिकायत नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन 1800-11-4000, CBIC की GST हेल्पलाइन 1800-1200-232 पर कर सकते हैं। इसके अलावा नेशनल एंटी प्रॉफिटियरिंग अथॉरिटी की वेबसाइट पर जाकर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। शिकायत करते समय बिल की कॉपी और दुकानदार का नाम-पता देना होगा।

किन सामानों पर घटेगा टैक्स?

इस बदलाव से रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली कई चीजें सस्ती हो जाएंगी। पनीर, घी, रोटी, चपाती और पराठा जैसे बेसिक फूड आइटम्स पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। वहीं साबुन, शैंपू, तेल जैसी जरूरी चीजें भी 18% टैक्स स्लैब में आ गई हैं।

इसी तरह, कार और दोपहिया वाहन भी सस्ते होंगे। पहले छोटी कारों और 350ू तक की बाइक्स पर 28% टैक्स देना पड़ता था, लेकिन अब यह घटकर 18% रह गया है। ऑटो पाट्र्स और थ्री-व्हीलर्स पर भी यही राहत मिलेगी।

घर बनाने का खर्च कम होगा

सीमेंट पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है। इसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो घर बना रहे हैं या मरम्मत करा रहे हैं। टीवी, एसी और वॉशिंग मशीन जैसे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक सामान भी 28% से घटकर 18% स्लैब में आ गए हैं। यानी अब इनकी कीमतें भी घटेंगी।

दवाइयों पर बड़ा फायदा

नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) ने साफ कर दिया है कि दवा कंपनियों को अपने उत्पादों की MRP अपडेट करनी होगी। साथ ही revised प्राइस लिस्ट डीलर्स, रिटेलर्स और सरकार को देनी होगी ताकि ग्राहकों को सही दाम मिल सके। खास बात यह है कि 33 जरूरी दवाइयों पर टैक्स पूरी तरह हटा दिया गया है। इनमें कैंसर और गंभीर बीमारियों की जीवनरक्षक दवाइयां शामिल हैं।

'घुटन हो रही थी, इस्तीफे के बाद परेशानी', जगदीप धनखड़ के करीबी का चौंकाने वाला खुलासा, बताई अंदर की बात

(जीएनएस)।

देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। हरियाणा के इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) प्रमुख और धनखड़ के करीबी माने जाने वाले अभय सिंह चौटाला ने दावा किया है कि उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद से धनखड़ काफी परेशान थे और उन्हें सरकारी आवास में रहना ही मुश्किल लग रहा था।

अभय चौटाला ने एक हरियाणा तक को दिए इंटरव्यू में बताया कि जगदीप धनखड़ साहब ने खुद उनसे कहा था कि पद छोड़ने के बाद उन्हें सरकारी घर में घुटन महसूस हो रही है। उन्होंने साफ कहा था, "मेरा इस घर में मन नहीं लगता, यहां रहना मेरे लिए बेहद मुश्किल है।" यही वजह रही कि उन्होंने नया ठिकाना तलाशने का मन बना लिया।

जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा देने के बाद आखिरकर तोड़ी चुप्पी, क्या बोले, किससे मिले? सामने आई अंदर की कहानी

जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा देने के बाद आखिरकर तोड़ी चुप्पी, क्या बोले, किससे मिले? सामने आई अंदर की कहानी

आखिर क्यों सरकारी आवास छोड़ा जगदीप धनखड़ ने?

अभय चौटाला ने याद किया कि जब धनखड़ ने उनसे रहने की जगह को लेकर चर्चा की, तो उन्होंने उन्हें अपने फार्महाउस का ऑफर दिया। चौटाला बोले - "मैंने साफ कहा कि आपके स्टेटस के हिसाब से फ्लैट में रहना शोभा नहीं देगा। मेरे फार्म को अपना घर मानकर रहिए। चाहे छह महीने लगें या दो साल, जब तक आपका नया मकान तैयार नहीं हो जाता, आप यहीं रहिए।"

धनखड़ ने चौटाला का सुझाव माना और फिर वे दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर स्थित चौटाला परिवार के फार्महाउस में शिफ्ट हो गए। अभय चौटाला ने कहा कि धनखड़ साहब ने खुद मुझसे कहा था कि उनको उस सरकारी आवास में अब घुटन महसूस हो रही है। वहां रहना, उनके लिए मुश्किल हो गया है।

उपराष्ट्रपति का पद छोड़ना, स्वास्थ्य का बहाना या असली वजह कुछ और?

21 जुलाई 2025 को धनखड़ ने अचानक इस्तीफा देते हुए स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। लेकिन चौटाला के ताजा खुलासे ने इस बहाने पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौटाला का कहना है कि धनखड़ पूरी तरह फिट हैं। वे रोज सुबह-शाम टेबल टेनिस खेलते हैं और दोनों वक्त स्विमिंग भी करते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य कारणों को लेकर उनका इस्तीफा देना अब और भी रहस्यमयी लगता है।

चौटाला परिवार और धनखड़ का 40 साल पुराना रिश्ता

अभय चौटाला ने यह भी बताया कि उनका धनखड़ परिवार से रिश्ता नया नहीं है। करीब 40 साल पुराना सामाजिक और पारिवारिक नाता उन्हें जोड़ता है। चौटाला बोले, "ये फार्महाउस मेरा नहीं बल्कि उनका ही घर है। धनखड़ हमारे परिवार के सदस्य हैं, मेहमान नहीं।" उन्होंने आगे कहा कि धनखड़ चाहें तो कितने भी समय तक वहां रह सकते हैं।

जगदीप धनखड़ को सरकारी घर छोड़ने में लगे 42 दिन

गौरतलब है कि इस्तीफे के बाद भी धनखड़ 42 दिन तक उपराष्ट्रपति आवास में रहे। 1 सितंबर 2025 को उन्होंने आवास खाली किया और उसी दिन छतरपुर फार्महाउस में शिफ्ट हो गए। नियम के मुताबिक, वे 15 महीने तक सरकारी घर में रह सकते थे, लेकिन उनके मुताबिक वह माहौल उन्हें बिल्कुल रास नहीं आ रहा था।

अभूतपूर्व और आलौकिक होगी प्रभु श्रीराम जी की बारात : कोलकाता के दुर्गा माता के महल जैसी दिखेगी बन रही जनकपुरी

मथुरा (जीएनएस)। श्री रामलीला सभा के तत्वावधान में आज निकलने वाली प्रभु श्रीराम की बारात बहुत ही आकर्षक और भव्य होगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए सभा के जुलूस मंत्री विनोद सर्राफ ने बताया की बारात की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा मथुरा नगरी को पूर्ण रूप से सजा दिया गया है। बताया कि राम बारात लाल दरवाजा स्थित बाटी वाली कुंज से सांय 7 बजे प्रारंभ होकर चौक बाजार स्थित अवधपुरी पहुंचेगी। वहां से स्वामी घाट, छत्ता बाजार, होलीगेट, कोतवाली रोड़ होती हुई भरतपुर गेट स्थित जनकपुरी में पहुंचेगी, जहां श्रीराम के विवाहोत्सव की लीला होगी। इस वर्ष बारात में किरावली, हाथरस, अलीगढ, एटा, आगरा, बुलंदशहर और वृंदावन, मथुरा आदि स्थानों की कलात्मक व मनोहारी झंकियों एवं अनेक रोड़ शो के साथ हरियाणा के डीजे, दिल्ली के ढोल एवं जगनेर, मेरठ, नोएडा, वृंदावन तथा मथुरा के अनेक बैंड तथा ढोल आकर्षण का केन्द्र होगें। इसके साथ ही विभिन्न अखाड़े, मां काली के स्वरुप के साथ अपने पटेबाजी का प्रदर्शन करते हुए चलेंगे। इस बार कुछ झांकीयों को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से मां चामुंडादेवी, बांकेबिहारी जी, गोविन्द देव जी, चित्रकूट के हनुमान जी, जगन्नाथ जी, राधारमन जी, खाटू श्याम जी, कैला देवी मां, मेहंदीपुर बालाजी और राजा दशरथ जी का रथ आदि की झाकियां प्रमुख आकर्षक का केन्द्र होंगी। वहीं सभापति जयंती प्रसाद अग्रवाल एवं महामंत्री मूलचंद्र गर्ग ने बताया की जनकपुरी की छटा मनोरम होगी, जो की इस बार दक्षिणी शैली मे दुर्गा माता के महल जैसी सजाई गई है। बताया कि इस बार जनकपुरी करीब 75 फुट ऊंची बनायी जा रही है, जिसे महल समेत पुरे परिसर को देशी-विदेशी फूलों से एवं आकर्षक रंग-बिरंगे विद्युत प्रकाश से जगमग करके सजाया जा रहा है।

कहा कि कोतवाली रोड़ से लेकर लालागंज एवं तारघर तक का मार्ग, दूधिया एवं पिले विद्युत प्रकाश से जगमग होगा। जनकपुरी के तीनों विशाल द्वार बनाए गए है। जनकपुरी के मुख्य संयोजक श्री तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला समिति होगी तथा सर्वसमाज के लोग श्रीराम जी की बारात का स्वागत जनकपुरी पर करेंगे। उन्होंने कहा कि विभिन्न समाज जिनमें राजपूत समाज, यादव समाज, प्रजापति समाज, सिख समाज, सविता समाज, पंजाबी समाज, निषाद समाज, सोनकर समाज, जोशी समाज, कढेरे समाज, स्वर्णकार समाज, माली समाज, लोधी समाज, बाल्मीकि समाज, गुर्जर समाज, कोरी समाज और जाटव समाज आदि के प्रतिनिधियों ने बताया की वह अपने-अपने समाज के बंधुओ के द्वारा श्रीराम बारात का स्वागत इत्र और गुलाब के फव्वारों से भव्य अद्भुत रूप से करेंगे। जब श्रीराम जी, जनकपुरी पहुंचेंगे तब वहां विवाह की लीला होगी एवं जैसे ही माता जानकी प्रभु श्रीराम के गले में फूलों का हार डालेंगी तभी जयघोष गूंजते हुए बहुत ही आकर्षक विद्युत द्वारा संचालित अलीगढ़ तथा शिवकाशी की आतिशबाजी की जाएगी। वहीं श्रीराम लीला सभा (रजि.) मथुरा के गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी,रविकांत गर्ग, जयंती प्रसाद अग्रवाल, जुगलकिशोर, नंदकिशोर, मूलचन्द्र गर्ग, प्रदीप कुमार पीके, विजय किरोड़ी सर्राफ, शैलेश कुमार अग्रवाल, अजय मास्टर, पंडित शशांक पाठक, उमेश कुमार प्रेस, संजय बिजली, प्रदीप गोस्वामी, नागेन्द्र मोहन मित्तल, अजयकांत गर्ग, पंडित अमित भारद्वाज, चिंताहरण चतुर्वेदी, अनूप टैंट, विनोद सर्राफ, मदनमोहन श्रीवास्तव, दिनेश सदर, सुरेंद्र खोना, कन्हैयालाल टाइप, बौबी हाथी वाले, योगेश आवा, दिनेश सादाबाद, हिमांशु सुतिया, तुलसीदास भगत जी, शैलू हकीम, राजनारायण गौड़, राजीव शर्मा और गौरव सजावट आदि ने सभी व्यवसायी समिति तथा समस्त नागरिकों से श्रीराम बारात का पुष्प वर्षा, स्वागत द्वार, वन्दनवार और विद्युत सजावट आदि से मार्ग सजाकर स्वागत करने तथा अधिक से अधिक संख्या में राम बारात में चलने की अपील की है।

गोमतीनगर एक्सटेंशन में रेजिडेंशियल इलाके पर अवैध होटल संचालित! 40 लाख की ठगी, दबंगई और धमकियों का खेल

लखनऊ रीडर

बिना रजिस्ट्रेशन और एलडीए मानकों को ताक पर रखकर चल रहा होटल एवेन्यू विस्तार टाउन हाउस

सलीम एखलाक से 40 लाख लेकर किया धोखा, गुंडों के दम पर होटल पर कब्जा

पुलिस और जमीन मालिक की मिलीभगत का आरोप, पीड़ित ने योगी सरकार से न्याय की लगाई गुहार

लखनऊ। राजधानी के वीआईपी एरिया गोमतीनगर एक्सटेंशन सेक्टर-4 में रोहिणी अपार्टमेंट के पीछे रेजिडेंशियल इलाके पर अवैध तरीके से बिना रजिस्ट्रेशन और एलडीए मानकों को ताक पर रखकर होटल एवेन्यू विस्तार टाउन हाउस का संचालन हो रहा है।

मामला तब सामने आया जब होटल संचालक सलीम एखलाक ने

बड़ा खुलासा किया। आरोप है कि होटल के पहले संचालक असद पुत्र इरशाद अहमद ने होटल को लीज पर देने के नाम पर सलीम से 40 लाख रुपये हड़पे और एक साल का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट कराया।

करीब 6 माह तक होटल मुनाफे में चला, लेकिन अचानक असद ने एग्रीमेंट को दरकिनार कर दोबारा होटल पर कब्जा कर लिया। आरोप है कि गुंडों के दम पर सलीम को होटल से भगा दिया गया और जान से मारने की धमकी दी गई।

पीड़ित सलीम का कहना है कि होटल की जमीन के मालिक मनोहर चौधरी भी असद का साथ दे रहे हैं और दबंगई दिखाते हुए सरकारी पदों का हवाला देकर उसे डरा-धमका रहे हैं। वहीं पुलिस पर भी सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार शुक्ल ने असद से जबरन समझौता करवा दिया और फर्जी चेक थमाकर 40 लाख की वसूली को दबाने की कोशिश की।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रेजिडेंशियल एरिया में अवैध होटल संचालन से आसपास के परिवारों की सुरक्षा खतरे में है और किसी भी दिन बड़ी घटना हो सकती है।

अब बड़ा सवाल यह है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) और जिम्मेदार अधिकारी आखिर कब इस अवैध होटल पर कार्रवाई करेंगे?

पीड़ित सलीम एखलाक ने मीडिया से अपील की है कि उनकी आवाज को प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ और विकास प्राधिकरण तक पहुंचाया जाए, ताकि रेजिडेंशियल इलाके पर चल रहे इस अवैध होटल पर सख्त कार्यवाही हो सके।

गीता शोध संस्थान के प्रशिक्षुओं का पहली बार सांझी पर नौटंकी मंचन

उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद और जीएलए विश्वविद्यालय का संयुक्त आयोजन सांझी महोत्सव में सांस्कृतिक संध्या

मथुरा (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं जीएलए विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रसखान समाधि परिसर पर चल रहे सांझी महोत्सव-2025 के चतुर्थ दिवस पर भव्य सांझी नौटंकी का मंचन किया गया। यह ऐतिहासिक मंचन गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी (वृंदावन) की प्रशिक्षु बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत किया गया।

नौटंकी की परिकल्पना एवं लेखन परिषद के ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डा. उमेश चंद्र शर्मा ने किया, जबकि गीता शोध संस्थान के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने निर्देशन का दायित्व संभाला। संयोजन गीता शोध संस्थान के कोआर्डिनेटर चंद्रप्रताप सिंह सिकरवार ने किया। मंचन में सुमिति भारद्वाज, चांदनी, समीक्षा, तनिष्का, वैष्णवी, वैभवी, दीक्षा, रोशनी, आकांक्षा, मोनिका, निर्जला और डोली ने मनोहारी अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। संगीत संयोजन में मनमोहन कौशिक, सुनील शर्मा, सुनील पाठक और आकाश शर्मा ने सहयोग दिया। वस्त्र विन्यास रितु सिंह द्वारा और नगाड़े पर अकील अहमद द्वारा किया गया तथा नौटंकी गुरु होती लाल पांडेय रहे। मंचन का शुभारंभ ग्वालियर के जिला जज ललित मोहन गर्ग ने किया, जो विशेष रूप से सांझी महोत्सव का आनंद लेने रसखान समाधि पर आए थे। इस संबंध में गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के समन्वयक चंद्रप्रताप सिंह सिकरवार ने बताया कि सांस्कृतिक जगत में यह पहली बार है कि सांझी कला पर आधारित कोई नौटंकी लिखी और मंचित की गई। कार्यक्रम में गुजरात समेत देश के विभिन्न राज्यों से आए तीर्थयात्री बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उन्होंने सांझी निर्माण कर रहे चित्रकारों से भेंट की और ब्रज की सांझी परंपरा में गहरी रुचि दिखाई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव की गोष्ठी में महिलाओं ने जल और सनातन संरक्षण पर दिया जोर

मथुरा (जीएनएस)। वैदिक काल से वर्तमान समय तक हर क्षेत्र में नारी समाज का योगदान रहा है। नारियों ने संस्कार और संस्कृति की रक्षा में भी सहयोग किया है। आज सनातन संस्कृति की रक्षा और जल संरक्षण के लिए महिलाओं को आगे बढ़कर काम करना होगा। यह विचार रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में आयोजित राष्ट्र निर्माण के परिपेक्ष्य में नारी और उसका सर्वकालिक योगदान भारतीय संदर्भ में विषय पर आयोजित संगोष्ठी में महिलाओं ने व्यक्त किए। महोत्सव में आयीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डा. बबीता चौहान ने आयोग द्वारा महिलाओं के सहयोग में किए जा रहे कार्यों को सामने रखते हुए कहा कि आयोग हर पीड़ित महिला का दुख हरने को तत्पर है, कोई समस्या हो तो महिला आयोग के संज्ञान में लाएं। उन्होंने महिलाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को प्रस्तुत करते हुए कहा कि अपने गांव के प्रधान से योजनाओं की जानकारी लेकर लाभ उठाएं और कोई समस्या आए तो भाजपा के मंडल अध्यक्षों से सहयोग मांगे। नारी हमेशा से संस्कृति, संस्कार और समाज की रचनात्मक भूमिका में रही है। वहीं राष्ट्रीय सेविका समिति की धार्मिक एवं संपर्क प्रमुख मीनाक्षी ऋषि ने कहा कि महिलाएं जल संरक्षण में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। जल ही जीवन है, इसलिए इसे बचाने में सभी महिलाएं योगदान दें। इस अवसर पर शारदा विश्वविद्यालय की कुलपति डा. जयंती राजन ने कहा कि स्वदेशी और संस्कार को बढ़ावा देने में नारी शक्ति

बड़ी भूमिका निभा सकती है तथा विकसित भारत का सपना पूरा कर सकती हैं। आज संस्कारों की जरूरत है, रील की नहीं। गोष्ठी में एसएन मेडिकल कॉलेज की फारेंसिक मेडिसिन विभाग की विभागध्यक्ष डा. ऋचा गुप्ता ने कहा कि आपरेशन सिंदूर में महिला अधिकारियों का अहम योगदान रहा। कहा कि आज सभी क्षेत्र में नारी अपना समर्पण दिखा रही हैं। कृषि विकास में भी नारी का अहम योगदान है। उन्होंने वैदिक काल से वर्तमान तक नारी द्वारा किए गए कार्यों को सामने रखा। संगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम में विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री यतेंन्द कुमार, संघ के प्रचारक डा. दिनेश जी, स्मारक समिति मंत्री केशव कुमार शर्मा, मेला अध्यक्ष एडवोकेट सोहन लाल शर्मा, कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाठक, सुनील पाठक, डा. मालती मिश्र, अमिता गर्ग, डा. प्रीति भारद्वाज, डा. गार्गी त्यागी, डा. स्वाति चौधरी, प्रमिला राजपूत, कमलेश चौहान के अलावा एसएन मेडिकल कॉलेज की प्रशिक्षु डॉक्टर-छात्राएं और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। इस अवसर पर एडवोकेट चंचल गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत तथा संचालन निर्मला दीक्षित ने किया।

आज से शुरू हो रही शारदीय नवरात्रि : इस बार हाथी पर सवार होकर आएंगी मां जगदम्बा

मथुरा (जीएनएस)। सनातन धर्म में नवरात्र पर्व का विशेष महत्व है। यह पर्व शास्त्रों के अनुसार वर्ष में चार बार आता है, चैत्र माह में बासंतिक नवरात्रि, आश्विन माह में शारदीय नवरात्रि, माघ माह और आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि आती हैं। यह पर्व जगतजननी जगदम्बा देवी मां दुर्गा जी को समर्पित होता है। हर वर्ष आश्विन माह के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवमीं तिथि तक शारदीय नवरात्र पर्व मनाया जाता है और विजया दशमी को पूणार्हुति हो जाती है। इस अवसर पर श्री दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार आश्विन शारदीय माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि सोमवार 22 सितंबर को देर रात 1 बजकर 23 मिनट पर शुरू होकर 23 सितंबर को देर रात 2 बजकर 55 मिनट तक रहेगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान्य होती है, अतः 22 सितंबर सोमवार से शारदीय नवरात्र प्रारंभ होगी। प्रथम दिवस वैदिक विधि-विधान के साथ घटस्थापना कर मां नवदुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की जाती है। इस अवसर पर संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने कहा कि वैदिक गणना के अनुसार 22 सितंबर को शारदीय नवरात्र के प्रथम दिवस घटस्थापना का शुभ मुहूर्त प्रातः काल 6 बजकर 9 मिनट से 8 बजकर 6 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 11 बजकर 49 मिनट से 12 बजकर 38 मिनट के मध्य भी सुविधानुसार घटस्थापना कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार जगदम्बा मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी और नरवाहन पर प्रस्थान करेंगी जो अत्यंत शुभ संकेत एवं सुख शांति समृद्धि का द्योतक है। इस अवसर पर ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक चतुर्वेदी, साहित्याचार्य शरद चतुर्वेदी, सौरभ, ऋषभ देव गोविंद देव, मनोज पाठक, मनीष पाठक और निरंजन शास्त्री आदि ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा तिथि पर शुक्ल और ब्रह्म योग सहित कई मंगलकारी संयोग बन रहे हैं। इन योग में मां भगवती आदिशक्ति नव दुर्गा जी की नौ दिन तक पवित्रता के साथ पूजा करने से साधक को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है और परिवार में सुख समृद्धि एवं सौभाग्य में वृद्धि होती है।

बाढ़ पीड़ितों की सहायता नहीं कर रहा शासन-प्रशासन : कांग्रेस जिलाध्यक्ष

-कांग्रेस की साप्ताहिक बैठक में प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करने की बनाई रणनीति

मथुरा (जीएनएस)। महानगर के होलीगेट स्थित सेठवाड़ा में जिला कांग्रेस कमेटी की साप्ताहिक बैठक जिला कार्यालय पर बैठक की गई। बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्टी द्वारा पिछले दिनों किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा बतायी गई। बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने शासन-प्रशासन पर बाढ़ पीड़ितों की सहायता न किए जाने पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा बाढ़ पीड़ितों की घोर उपेक्षा की जा रही है, जो निंदनीय कृत्य है। कहा कि मथुरा में आयी बाढ़ से किसानों की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है और शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मकान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

उन्हें भी मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी ने बैठक में निर्णय लिया कि बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के लिए जल्द ही रूपरेखा बनाकर जिला प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं कांग्रेस पार्टी के जिला प्रवक्ता उमाशंकर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय स्तर नरेंद्र मोदी सरकार और चुनाव आयोग की वोट चोर गद्दी छोड़, अभियान को तेजी से जन-मानस में हस्ताक्षर अभियान चलाकर हस्ताक्षर अभियान को आगे भी जारी रखा जाएगा। जिससे कि वोट चोरी करने वालों को बेनकाब किया जा सके। बैठक में पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाएं स्वतंत्र होकर अपना कार्य नहीं कर रही हैं।

कहा कि यह संवैधानिक संस्थाएं, देश की भाजपा सरकार के दबाव में कार्य कर रही हैं, जो कि लोकतंत्र के लिए खतरा बन चुकी हैं, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगी। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष अप्रतिम सक्सैना ने किया। बैठक में कांग्रेस कार्यकताओं में प्रेम शंकर शर्मा, मनोज गौड़, मनीष चौधरी, मोहित चौधरी, त्रिलोकी नाथ पांडेय, नरेंद्र राघव, सुरेश शर्मा, बलवीर सिंह, दीपक दीक्षित, अर्नव चौधरी, रमेश कश्यप, आशीष अग्रवाल, जिलानी कादरी, रवि वाल्मीकि, विष्णु कपूर, पंकज चौधरी, हाशिम हुमेर, खुशीराम पटेल,राजा गौतम, सरवन अहमद, मोनू चौधरी, श्याम चौधरी और सागर माहौर आदि उपस्थित रहे।

रिफाइनरी पुलिस ने दबोचा शातिर बदमाश : अवैध असलाह और कारतूस बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित बरेली हाईवे पर गौशाला अंडरपास के निकट से पुलिस ने अवैध हथियार समेत एक बदमाश को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी रिफाइनरी अजय वर्मा पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि बरेली हाईवे के गौशाला अंडरपास के निकट एक बदमाश अवैध हथियार लेकर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम में चौकी प्रभारी बाद लोकेन्द्र सिंह और चौकी प्रभारी बरारी ललित चौधरी आदि के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़ा बदमाश भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर बदमाश जुबैर पुत्र लाल

मिस्त्री निवासी हैडपम्प वाली गली सुखदेवनगर थाना कोतवाली, मथुरा को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

जिकड़ी भजनों की तान पर भोर तक जमे रहे श्रोता : सूरज निकलने तक चली जिकड़ी प्रतियोगिता

मथुरा (जीएनएस)। दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में शनिवार रात्रि 10 बजे से शुरू हुई जिकड़ी भजन प्रतियोगिता रविवार को प्रातः 8:30 तक चली। समापन गायको को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। मुख्य पंडाल में हुए जिकड़ी भजन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रपट के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर अलवर के ईसरोती से आए गायक तेज सिंह ने मदन सेन और उनकी पत्नी चंद्रप्रभा से जुड़े भजन प्रस्तुत किए, जबकि लोहकरेरा आगरा से आए मोतीराम ने पांडवों का वनवास सुनाया। चिरमोली आगरा के गायक धर्मेंद्र ने द्रोणाचार्य पुत्र अश्वत्थामा के वध की कथा को ढोलक और हारमोनियम के साथ

प्रस्तुत किया तो श्रोता झूम उठे। वहीं पुरा मालोनी के गायक प्रहलाद सिंह ने द्रौपदी स्वयंवर प्रस्तुत किया, जबकि नगला संजा से आयीं सुनीता छौंकर ने द्रौपदी का गंगा घाट पर राजा दंग से मिलन सामने रखा। इसी के साथ गौंडा (अलीगढ़) से आए चंद्रवीर ने मदन सेन और चंद्रप्रभा पर भजन प्रस्तुत किया, जबकि ओमप्रकाश पाराशर ने घटोत्कच्छ का युद्ध सुनाकर श्रोताओं को रोमांचित कर दिया। वहीं फौंडर से आयीं हेमा कुमारी ने जयद्रथ द्वारा द्रौपती का हरण भजन के रूप में प्रस्तुत किया। सूरज की पौ फटने तक चली जिकड़ी भजन में प्रथम पुरस्कार तेज सिंह, धर्मेंद्र और प्रहलाद सिंह को संयुक्त रूप से दिया गया तथा द्वितीय पुरस्कार चंद्रवीर सिंह, ओमप्रकाश पाराशर और तृतीय पुरस्कार हरीशंकर कपिल गांजौली को मिला। बालिका वर्ग में प्रथम पुरस्कार सुनीता को द्वितीय पुरस्कार हेमा को और तृतीय पुरस्कार अमौरी राजस्थान से आयीं नीलम शर्मा को दिया गया। इसी के साथ तीन प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का संचालन मान सिंह राणा ने किया। वहीं निर्णायक तेजवीर सोलंकी, व्यायाम शिक्षक संजीव कुमार आजाद, संजीव कुमार धर्मपुरा, ललित रावत और हेमराज सिंह रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम में निदेशक सोनपाल, नरेंद्र पाठक, महिपाल सिंह, भीकमचंद्र दुबे, जगमोहन पाठक, देवेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, मनीष वर्मा, अशोक शर्मा, राकेश सिंह, विजय सिंह, बच्चू सिंह, प्रमोद कुमार और चंद्रहंस आदि मौजूद रहे।